Result Mitra Daily Magazine

माओरी हाका

➢ हालिया संदर्भ :

- न्यूजीलैंड में माओरी पार्टी के सांसद हाना–राव्हीटी मैपी–क्लार्क ने एक विधेयक के विरोध में संसद में 'हाका' का प्रदर्शन किया, जो वायरल हो गया है।
- यह 'माओरी–हाका' नृत्य 'वेटांगी संधि' को पुनर्परिभाषित करने वाले विधेयक के विरोध में लाया गया था।

➢ माओरी हाका :

- यह नृत्य माओरी समुदाय से जुड़ा हुआ है, जो पारंपरिक रूप से युद्ध के मैदान में योद्धाओं द्वारा या किसी अन्य जनजाति का स्वागत करने के लिए किया जाता है।
- यह सांस्कृतिक गौरव के साथ शारीरिक कौशल, शक्ति एवं एकता का भी प्रतीक है।
- यह नृत्य सामान्यत: समूह में किया जाता है, जिसमें मंत्रीच्चार, नाटकीय हाव–भाव, हाथ एवं पैर की हरकतें एवं पैरों से ताली बजाना आदि शामिल होता है।
- हाका नृत्य मुख्यत: माओरी समुदाय द्वारा किया जाता है, जो एओटेरोआ के स्वदेशी पेलिनेशियाई के निवासी है।

➢ अन्य लोकप्रिय हाका–स्वरूप :

1. **पेरूपेरू** :– युद्ध से पहले दुश्मनों को अपनी ताकत दिखाने या डराने के लिए।
2. **नगेरी** :– सामान्यत: शरीर के नसों एवं अन्य अंगों को मजबूत करने के लिए।
3. **पोव्हीरी** :– औपचारिक समारोहों के दौरान स्वागत/अभिवादन करने के लिए।
4. **मनावा बेरा** :– अंतिम संस्कार या स्मारक पर शोक व्यक्त करने के लिए।

Note :– न्यूजीलैंड की 29वीं टीम 120 वर्षों से अपने मैच से पहले स्वयं को उत्साहित करने के लिए हाका नृत्य करती आ रही है।

➢ वेटांगी की संधि :

- यह संधि एओटेरोआ (न्यूजीलैंड) का आधारभूत दस्तावेज है, जिस पर ब्रिटिश–राज–प्रतिनिधि एवं माओरी समुदाय के 500 प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए थे।
- इसमें जनजातियों द्वारा ब्रिटिश सरकार को शासन सौंपने पर भूमि एवं अन्य व्यापक अधिकार देने का वादा किया गया था।

➢ अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस :

- यह प्रतिवर्ष 29 अप्रैल को जीन जॉर्जेस नोवेर के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- इसकी शुरुआत वर्ष 1982 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान एवं UNESCO के सहयोग से शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य नृत्य की सुंदरता और विविधता का जश्न मनाना एवं सांस्कृतिक बाधाओं को दूर करते हुए क्षमता को निखारता है।

➢ भारत के 5 कम–प्रसिद्ध लोक–नृत्य :

1. लाओ (मेघालय) :

- यह बेहदीनखलम त्योहार का अभिन्न अंग है, जो ईश्वरीय आशीर्वाद प्राप्त करने एवं बुरी आत्माओं से मुक्ति पाने के लिए प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।
- यह राज्य के पनार आदिवासी समुदाय द्वारा मनाया जाता है।

2. कूड (जम्मू) :

- इसका आयोजन फसलों की कटाई समाप्त होने के बाद डांगरा समुदाय द्वारा आयोजित किया जाता है।
- इसमें मुख्यत: फसलों की रक्षा के लिए ग्राम देवता को धन्यवाद दिया जाता है।

Result Mitra

3. पुली वेषम (आंध्र–प्रदेश) :

- इसे वेषम या बाघ नृत्य के रूप में भी जाना जाता है, जो दशहरा एवं मुहर्रम के अवसर पर मनाया जाता है।
- इसमें व्यक्ति बाघ के परिधान में सजकर जोरदार तरीके से नाचता और कूदता है।

4. भूतम (केरल, कर्नाटक एवं तमिलनाडु) :

- यह नृत्य प्रदर्शन गांव के देवी–देवताओं के सामने किया जाता है।
- देवी–देवताओं की मूर्तियां सामान्यत: लकड़ी के बने होते हैं और इन्हें गहरे रंगों में रंगा जाता है।

5. गोटीपुआ (ओडीशा) :

- यह आधुनिक ओडिसी नृत्य का अग्रदूत है, जो 20वीं सदी से प्रचलन में है।
- यह नृत्य लड़कों द्वारा किया जाता है, जिसमें राधा–कृष्ण के जीवन से संबंधित कलाबाजियां दिखाई जाती है।

Result Mitra